न्यू गुड़गांव
जागरण सिटी
: डॉ. निर्मल VIII दैनिक जागरण गुड़गांव, 24 फरवरी 2016

रेल बजट आने वाला है। ऐसे में यात्रियों को इस बजट से काफी उम्मीदे हैं। सस्ती यात्रा, कंफर्म टिकट, रिजर्वेशन की परेशानियों को दूर करने सहित कई सुविधाओं की मांग यात्री कर रहे हैं।

रेल बजट 2016-17

जीके भटनागर, साउथ सिटी टू।

- लोग हवाई यात्रा की जगह रेल यात्रा करना चाहते हैं मगर उन्हें सुरक्षा, सफाई और अच्छी कैटरिंग रेल में नहीं मिलती। रेल बजट में दूर की ट्रेनों में सुरक्षा, सफाई और कैटरिंग बेहतर हो जाए तो देश का बहुत सारा पैसा बचेगा। बहुत सारे लोग जो हवाई यात्रा करते हैं, रेल में सफर करेंगे।

बबलू, दौलताबाद।

- हम यह उम्मीद कर रहे हैं कि गुड़गांव रेलवे स्टेशन को बेहतर बनाने के प्रस्ताव इस रेल बजट में होंगे। शहर का विस्तार जिस तरह हुआ है, उस तरह रेलवे स्टेशन का विस्तार नहीं हुआ है। रेवाड़ी रूट में ईएमयू ट्रेनें और चलनी चाहिए।

बीएन लाल, लक्ष्मण विहार।

- अभी भी एक गरीब आदमी के लिए कंफर्म टिकट मिलना चुनौती है। ट्रेनों की संख्या और यात्रियों की संख्या के बीच के फासले कम होने चाहिए। हम उम्मीद करते हैं कि रेल बजट में सरकार प्रीमियम क्लास पर बल देने की जगह ऐसी ट्रेनों और बोगियों की संख्या बढ़ाएंगी जिसमें गरीब लोग सफर करते हैं।

जेएस चौहान, दैनिक यात्री।

- टिकट को लेकर हम उम्मीद करते हैं कि यह आसानी से उपलब्ध हो। दूर जाने वाले यात्रियों को काफी मुश्किल होती है अगर अचानक जाना पड़े। गुड़गांव रेलवे स्टेशन में देर रात लोग तत्काल टिकट के लिए लाइन में लग जाते हैं। कहीं आवाजाही आसान हो रेलवे इसके बारे में कुछ योजना बनाएं।

के के सिंह, साउथ सिटी टू।

- रेलवे टिकट पर सर्विस टैक्स नहीं लगना चाहिए। सरकार बुलेट ट्रेन लाने जा रही है मगर इसके पहले जो मौजूदा ट्रेनें हैं, वह समय पर चले यह सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है। पुराने ट्रैक हैं, ट्रेनों की रफ्तार कम है। यात्रा में बहुत ज्यादा समय लगता है। प्राय: ट्रेनें कई-कई घंटे लेट पहुंचती हैं। ट्रेनों का समय पर गंतव्य तक पहुंचना संभव होगा।

मंजू बुंदानी, लेवज़ॉटिका एन ब्लॉक मेफील्ड गार्डन।

- ट्रेन में महिलाओं की सुरक्षा और कनेक्टिविटी बेहतर हो तो और ज्यादा लोग सफर करेंगे और रेलवे की आय बढ़ेगी। गुड़गांव रेलवे स्टेशन को और बेहतर बनाए जाने की जरूरत है। सुरक्षा की वजह से कई बार लोग ट्रेन में सफर नहीं करना चाहते, खास तौर पर महिलाएं। बच्चों के साथ मुश्किल आती है।

रूपा पटेल, राजेन्द्रा पार्क।

- पिछले दिनों रेलवे ने किराया तो बढ़ाया मगर सुविधाएं नहीं बढ़ाई गई। ट्रेन में सुविधाएं बढ़ाई जानी चाहिए। सफाई, अच्छा खाना और सुरक्षा की व्यवस्था हो। बिहार के लिए और ज्यादा ट्रेन चलाए जाने की जरूरत है।

मनोज यादव, दैनिक यात्री।

- हम उम्मीद करते हैं कि एक्सप्रेस ट्रेनों के रुकने का समय गुड़गांव स्टेशन पर बढ़ाया जाएगा। गुड़गांव स्टेशन पर प्लेटफार्म की संख्या और ओवर ब्रिज की संख्या बढ़ेगी। यात्रियों के लिए सहूलियत बढ़ाई जाएगी।

यदि आपको भी कुछ कहना है तो हमें मेल कर सकते हैं... satyendra@nda.jagran.com

वर्ष 1 अंक 219
पृष्ठ 14+8=22
गुड़गांव (दिल्ली एनसीआर), सोमवार
29 अगस्त 2016
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

डेरा सच्चा सौदा को 50 लाख देने पर घिरे विज 5

सानिया ने यूएस ओपन से पहले जीता खिताब

www.jagran.com

दिल्ली • उत्तर प्रदेश • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखण्ड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल

जागरण सिटी

दैनिक जागरण

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया गया सम्मानित

जागरण संवाददाता, गुड़गांव : सुधा सोसायटी की ओर से आयोजित एक समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। साउथ सिटी टू में महिला समानता दिवस 26 अगस्त को आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सुधा सोसायटी के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण भटनागर ने कहा कि महिलाएं समाज सेवा, मेडिकल, कला, संस्कृति आदि सभी क्षेत्रों में बहुत अच्छे कार्य कर रही हैं। बेहतर काम करने के बावजूद उन्हेंनारी शक्ति के कार्यों का सम्मान और पहचान देनी होगी। हमारा समाज पुरुष प्रधान रहा है। इसलिए इस दिवस की जरूरत हमें पड़ी है। कार्यक्रम में साउथ सिटी टू के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष नीरज यादव महासचिव केके सिंह, ओएनजीसी के पूर्व कार्यकारी निदेशक विजय कुमार, राजन गोयल, वेदपाल सिंह, नवीन शर्मा, एसआर सप्रा, डी कौशिक, प्रमोद कुमार, एससी जैन, आकाश श्रीधर आदि विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग उपस्थित थे। समारोह में समाजसेवा, शिक्षा, योग, संगीत, लेखन, पेंटिंग आदि क्षेत्र में महत्वपूर्ण क्षेत्र में कार्य करने वाली 21 महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली महिलाओं में चारु वाडवा, पुष्पा सयाला, संजोली झा, अनु अरोड़ा, छवि शर्मा, शेफाली गुप्ता, डॉ. शताब्दी शंकर,दीपा गर्ग, प्रिया सचदेव, प्रतिभा शर्मा, किरण शर्मा, इंद्राणी खन्ना, श्वेता चावला, रक्षा रैना, नीतू चौधरी, पद्मा नांदयाल, विद्या सांगवान, छवि शर्मा, सविता स्याल बाम्ब्रा मंजीत और मनप्रीत कौर शामिल हुई। शहर के विभिन्न हिस्सों में रहने वाली इन महिलाओं ने अपने-अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

साउथ सिटी टू में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित करते सुधा सोसायटी के सदस्य।

वर्ष 1 अंक 219
पृष्ठ 14+8=22
गुड़गांव (दिल्ली एनसीआर), सोमवार
29 अगस्त 2016
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

डेरा सच्चा सौदा को 50 लाख देने पर घिरे विज 5

सानिया ने यूएस ओपन से पहले जीता खिताब

www.jagran.com

दिल्ली • उत्तर प्रदेश • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखण्ड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया गया सम्मानित

जागरण संवाददाता, गुड़गांव : सुधा सोसायटी की ओर से आयोजित एक समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। साउथ सिटी टू में महिला समानता दिवस 26 अगस्त को आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सुधा सोसायटी के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण भटनागर ने कहा कि महिलाएं समाज सेवा, मेडिकल, कला, संस्कृति आदि सभी क्षेत्रों में बहुत अच्छे कार्य कर रही हैं। बेहतर काम करने के बावजूद उन्हेंनारी शक्ति के कार्यों का सम्मान और पहचान देनी होगी। हमारा समाज पुरुष प्रधान रहा है। इसलिए इस दिवस की जरूरत हमें पड़ी है। कार्यक्रम में साउथ सिटी टू के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष नीरज यादव महासचिव केके सिंह, ओएनजीसी के पूर्व कार्यकारी निदेशक विजय कुमार, राजन गोयल, वेदपाल सिंह, नवीन शर्मा, एसआर सप्रा, डी कौशिक, प्रमोद कुमार, एससी जैन, आकाश श्रीधर आदि विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग उपस्थित थे। समारोह में समाजसेवा, शिक्षा, योग, संगीत, लेखन, पेंटिंग आदि क्षेत्र में महत्वपूर्ण क्षेत्र में कार्य करने वाली 21 महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली महिलाओं में चारु वाडवा, पुष्पा सयाला, संजोली झा, अनु अरोड़ा, छवि शर्मा, शेफाली गुप्ता, डॉ. शताब्दी शंकर,दीपा गर्ग, प्रिया सचदेव, प्रतिभा शर्मा, किरण शर्मा, इंद्राणी खन्ना, श्वेता चावला, रक्षा रैना, नीतू चौधरी, पद्मा नांदयाल, विद्या सांगवान, छवि शर्मा, सविता स्याल बाम्ब्रा मंजीत और मनप्रीत कौर शामिल हुई। शहर के विभिन्न हिस्सों में रहने वाली इन महिलाओं ने अपने-अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

साउथ सिटी टू में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित करते सुधा सोसायटी के सदस्य।

रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

जीपीएस चिप की मदद से गहनों के लुटेरे पकड़े गए

पेज 04

दुलाई में नुकसान हो जाए तो

रविवार, 10 जनवरी 2016, नगर/गुड़गांव, पांच प्रदेश, 18 संस्करण

www.livehindustan.com

गुड़गांव के साउथ सिटी की सोसाइटियों में रहने वाले बच्चे छुट्टियों में गरीब बच्चों को पढ़ाने का काम कर रहे हैं। ● हिन्दुस्तान

गरीब बच्चों को पढ़ाकर छुट्टियां मनाई

गुड़गांव | कार्यालय संवाददाता

साउथ सिटी टू की हाईराइज बिल्डिंगों में रहने वाले बच्चों ने सर्दी की छुट्टियां जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाते हुए बिताई। दिस दिन की छुट्टियों में न केवल बच्चों को पाठ्यक्रम पढ़ाया गया, बल्कि उन्हें शालीन व्यवहार के प्रति भी जागरूक किया गया। शिक्षक की भूमिका में आए बच्चों ने तय किया है कि हर शनिवार वो इसी तरह से बच्चों को पढ़ाएंगे। बच्चों का यह जज्बा देखकर स्थानीय लोग भी बेहद उत्साहित हैं।

साउथ सिटी टू के ए वन, बी वन और ए ब्लॉक में तीन स्कूल चल रहे हैं, जहां गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जाती है। सर्दी की छुट्टियां शुरू होने के बाद से यहां शिक्षकों के अलावा स्थानीय बच्चे भी आकर पढ़ा रहे हैं। ए वन ब्लॉक के प्रधान जीके भटनागर का कहना है कि सबसे पहले हर्षिता और अनिष्का ने बच्चों को आकर पढ़ाना शुरू किया था। अब सात बच्चे इस मुहिम से जुड़ चुके हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली निवासी समायरा यहां नानी के घर आई थी। उसने भी बच्चों को पढ़ाने में मदद की। बच्चों के इस प्रयास से सभी उन पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

शनिवार को आकर पढ़ाएंगे : साउथ सिटी टू निवासी अनिष्का, हर्षिता और खुशी ने कहा कि उन्हें बच्चों को पढ़ाकर काफी अच्छा लगा है। वे बच्चों को वही बातें सीखा रहे हैं, जो कि उनके शिक्षकों ने उन्हें सिखाई है। उन्होंने कहा कि शनिवार को छुट्टी के बाद यहां आकर बच्चों को पढ़ाएंगे। उन्हें स्कूल में जो कुछ भी सिखाया जाएगा, उसे यहां आकर बच्चों के साथ साझा करेंगे ताकि उनका भी मन पढ़ाई में लगने लगे।

सीख

- साउथ सिटी टू सोसाइटी के बच्चों ने एक संस्था द्वारा संचालित स्कूल के बच्चों को पढ़ाया
- बच्चों ने कहा, छुट्टियां खत्म होने के बाद भी प्रत्येक शनिवार को स्कूल में आकर पढ़ाएंगे बच्चे

22+22+4=48
ग्राम (दिल्ली एनसीआर), रविवार
अक्टूबर 2016
र संस्करण
य ₹ 4.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने

दैनिक जागर

रत के दबाव में आइएसआइ चीफ को हटाएगी शरीफ सरकार 1
सेनाएं कहती नहीं

w.jagran.com
दिल्ली • उत्तर प्रदेश • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखण्ड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल

दैनिक जागरण
झंकार
बाल मन की उमंगों का
9 अक्टूबर, 2016

'सुधा' की पहल महिलाओं को मिले सम्मान

सुधा सोसायटी द्वारा वंचित बच्चों को पढ़ाते हुए।

पूनम
गुरुग्राम

'यत्र नार्यस्तु पूजयन्ते रमन्ते तत्र देवता' अर्थात जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवताओं का वास होता है। इस सूत्र वाक्य को वास्तविकता के धरातल पर उतार रहे हैं साउथ सिटी टू में रहने वाले रिटायर्ड बैंक अधिकारी गोपाल स्वरूप भटनागर। उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद वर्ष 2009 में 'सुधा सोसायटी' की स्थापना की। इस संस्था के माध्यम से अब तक 51 महिलाओं को सम्मानित किया जा चुका है। वे विभिन्न मौकों पर सुधा सोसायटी की ओर से कार्यक्रम आयोजित कर समाज उत्थान के लिए काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित करते हैं। सुधा सोसायटी की तरफ से चिकित्सा के क्षेत्र में, वंचित बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में, सेना और पुलिस के क्षेत्र में, वार विडोज और महिला अधिकारों के लिए काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया है।

वर्ष 2001 में सिंडिकेट बैंक में सीनियर मैनेजर के पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद जीएस भटनागर ने समाज के लिए कार्य करना शुरू किया। वर्ष 2003 से 2006 तक केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय ने इन्हें महिला सशक्तीकरण प्रोजेक्ट का सदस्य बनाया था। लेकिन अब वे पूरी तरह समाज के लिए समर्पित हैं और महिलाओं को सम्मानित करने के साथ ही वंचित बच्चों को शिक्षित करने का कार्य कर रहे हैं।

बच्चों को दे रहें शिक्षा

जीएस भटनागर वंचित बच्चों के लिए एक स्कूल भी चलाते है। कॉलोनी के पार्क मे चलने वाले इस स्कूल मे कई वरिष्ठ अधिकारियों की पत्नियां योगदान देती है। आस-पास के घरेलू सहायकों, माली, धोबी आदि के बच्चों को पढ़ाने के अलावा यहां पढाई मे कमजोर बच्चों को निशुल्क ट्यूशन भी दी जाती है। करीब 70 बच्चे इस स्कूल मे आते है। रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल की पत्नी तापोसी बनर्जी, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट गीता, पाराशर टेक्सटाइल इंजीनियर दीप्ति गोयल आदि इस स्कूल मे अपना योगदान दे रहीं हैं। ये सब लोग निस्वार्थ सेवाएं दे रहे हैं। सुधा सोसायटी कभी कोई सरकारी या गैर सरकारी सहायता और अनुदान नहीं लेती है।

सुधा सोसायटी के संस्थापक जीएस भटनागर

समाज के लिए काम करने वाली महिलाओं को कर रहे सम्मानित